एनएसएमसीएच, बिहटा में 3 दिवसीय बीसीएमई कार्यशाला सम्पन्न

डॉक्टरों ने सीखे प्रभावी शिक्षण, मूल्यांकन और फीडबैक के आधुनिक तरीके

कार्यक्रम की मुख्य जानकारी

कार्यक्रम: 3 दिवसीय बीसीएमई कार्यशाला	**आयोजन स्थल:** एनएसएमसीएच, बिहटा
श्रृंखला: 5वीं बीसीएमई कार्यशाला	**प्रतिभागी:** 30 चिकित्सक
मार्गदर्शन: श्री कृष्ण मुरारी	**संसाधन व्यक्ति:** डॉ. सुधीर कुमार, रीजनल सेंटर, आईजीआईएमएस पटना

परिचय

नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बिहटा में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के दिशा-निर्देशों के तहत तीन दिवसीय बीसीएमई (Basic Course in Medical Education) कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह इस श्रृंखला की 5वीं बीसीएमई कार्यशाला थी, जिसका उद्देश्य चिकित्सा शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, मूल्यांकन तकनीकों और competency-based medical education के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना था।

मार्गदर्शन एवं संचालन

कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के प्रबंध निदेशक श्री कृष्ण मुरारी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यशाला के सफल संचालन में एमईयू के चेयरमैन डॉ. हरिहर दीक्षित एवं संयोजक डॉ. मुकेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कॉलेज के 30 चिकित्सकों ने भाग लिया।

विशेषज्ञ प्रशिक्षण

कार्यशाला में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा नियुक्त सह-संयोजक डॉ. सुधीर कुमार, रीजनल सेंटर, आईजीआईएमएस पटना, ने विशेषज्ञ संसाधन व्यक्ति के रूप में तीनों दिनों तक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा में प्रभावी शिक्षण, छात्र मूल्यांकन, संवाद कौशल, फीडबैक देने की प्रक्रिया तथा competency-based medical education से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

मुख्य शैक्षणिक बिंदु

तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बेहतर तरीके से पढ़ाने, छात्रों की सीखने की क्षमता को समझने, शैक्षणिक मूल्यांकन को अधिक प्रभावी बनाने और विद्यार्थियों को रचनात्मक फीडबैक देने की तकनीकों से परिचित कराया गया। कार्यशाला में व्यावहारिक सत्रों, समूह गतिविधियों और सहभागितापूर्ण चर्चा के माध्यम से डॉक्टरों ने महत्वपूर्ण शैक्षणिक कौशलों को समझा और अपनाया।

सक्रिय सहभागिता

कार्यशाला में विभिन्न विभागों के चिकित्सकों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. श्वेता झा, डॉ. अनीमेष गुप्ता, डॉ. विनीता सहाय, डॉ. स्वर्णिमा सिंह, डॉ. आनंद शंकर, डॉ. संजय, डॉ. इश्तियाक अहमद, डॉ. संजीव प्रसाद, डॉ. ममता सिंह सहित अन्य चिकित्सकों का विशेष योगदान रहा।

समापन एवं संदेश

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया। यह आयोजन एनएसएमसीएच की गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा, संकाय विकास और डॉक्टरों के शैक्षणिक कौशल संवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

> यह आयोजन गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और संकाय कौशल विकास के प्रति एनएसएमसीएच की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।